# दर्द किसको दिखाऊं कन्हैया | by Raju Singh Anuragi

दर्द किसको दिखाऊं कन्हैया
कोई हमदर्द तुमसे नहीं है
दुनिया वाले नमक हैं छिड़कते
कोई मरहम लगाता नहीं है

किसको बैरी कहूं किसको अपना
झूठे वादे हैं सारे ये सपना
अब तो कहने में आती शरम है
रिश्ते नाते ये सारे भरम हैं
देख खुशियां मेरी ज़िन्दगी की
रास अपनों को आती नहीं है

ठोकरों पे है ठोकर खाया
जब भी दिल दुसरो से लगाया
हर कदम पे है सबने गिराया
सबने स्वारथ का रिश्ता निभाया
तुझसे नैना लड़ाना कन्हैया
दुनिया वालों को भाता नहीं है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a6-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af/